लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन संबंधी नियम 357 के अंतर्गत श्री नितिन गडकरी द्वारा व्यक्तिगत स्पष्टीकरण

माननीय स्पीकर महोदया, आपने मुझे नियम के अंतर्गत व्यक्तिगत स्पष्टीकरण करने का अवसर दिया है, उसके लिए मैं आभारी हूँ । 20 अप्रैल, 2015 को इस सदन के सम्मानित सदस्य श्री राहुल गांधी जी ने लोकसभा के नियम 193 के तहत कृषि संबंधी विषय पर बोलते हुए मेरे बारे में उन्होंने कहा कि मैंने यह कहा है कि किसान को न भगवान पर और न ही सरकार पर भरोसा करना चाहिए । यह पूरी बात रिकार्ड पर है ।

मैं इस संदर्भ में स्पष्ट करना चाहुँगा कि उनके द्वारा संसद में मेरे बारे में गलत बताया गया था । मैंने 10 अप्रैल, 2015 को अमरावती में आयोजित कृषि विकास प्रदर्शनी व कार्यशाला में भाषण दिया था। अपने भाषण में मैंने कहा कि किसानों पर लगातार संकटों का सिलसिला जारी है, लेकिन किसानों को हताश और निराश नहीं होना चाहिए। और न ही आत्महत्या करने का रास्ता अपनाना चाहिए। किसानों को उत्पादन बढाने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए किसान आधुनिक तकनीक और संसाधनों का उपयोग करें। केवल सरकार और भगवान के भरोसे न बैठें। सरकार तो अपना काम कर रही है। लेकिन किसानों को भी कृषि क्षेत्र में हो रहे नए–नए प्रयोगों और तकनीक को अपनाना चाहिए। किसान नए प्रयोग और तकनीक के जरिए अपना आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान कर सकते हैं। मैं स्वयं अपने क्षेत्र के किसानों का साथ मिलकर कृषि को स्वयं समृद्ध बनाने के लिए कई नूतन प्रयोग करता रहता हूँ ।

अधिप्रमाणित

(नितिन जयराम गडकरी)
सड़क परिवहन, राजमार्ग एवं पोत परिवहन मंत्री